

01.7.22

पुणवकी आज पणवकी तलेकी जणपण वा जेश  
हुरी वाडीगाण द्वारा शवा विद्रो हेरु जणपण  
पेश हुण्डा, जणपण वा वकील वाडी को सुन  
शवा, वाडीगाण का कथन हे कि घडाकारण  
के अद्वय शरीरगत, हे गमाएँ और वर  
आगे शवा नही चलाता चाहते हे शवा विद्रो  
करना चाहते हे अतः शवा वाडीगाण को विद्रो  
की अनुमति चाही गई हे

पणवकी का उपलक्षण क्रिया 02921  
के अनुसार वाडी अपना शवा किसी भी स्तर पर  
विद्रो का सफल हे अतः वाडीगाण को शवा  
विद्रो की अनुमति दी जाती हे विद्रो के आधार  
पर शवा वाडीगाण वासिक क्रिया लागते पत्रावकी  
केसलशुभ्रण होकर शाखिल दफ्तर हे

विशम्भर  
बिसनदेई  
निष्कर्ष  
अनुमति  
02921

उपखण्डाधिकारी  
धोलपर (राज)